JAGRAN CITY PAGE II

जल संरक्षण, वोकल फार लोकल और डिजिटल लेनदेन पर दें जोर

लखनऊ विश्वविद्यालय के 64वें दीक्षा समारोह में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने यूपी में महिला व पुरुष लिंगानुपात पर भी जताया संतोष, मंच से दिए गए 15 पदक

एक नजर एलयू व एक डिजिटल पर

- **संकाय/संस्थान/केंद्र :** कला संकाय, विधि संकाय, विज्ञान संकाय, इंजीनियरिंग संकाय, आईटी सेंटर, मैनेजमेंट साइंसेज के केंद्र।
- **संकाय/विभाग में छात्र :** 10 हजार।
- **संकाय/विभाग में शिक्षक :** लगभग 500 (वैकेंसीज रिपोर्ट के बाद)।
- **संकाय/विभाग में शिक्षकेतर कर्मचारी :** लगभग 500।
- **संकाय/विभाग में पीएचडी :** लगभग 1000।
- **संकाय/विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो :** लगभग 50।
- **संकाय/विभाग में विदेशी छात्र :** 50 से अधिक।
- **संकाय/विभाग में विदेशी शिक्षक :** 10 से अधिक।
- **संकाय/विभाग में विदेशी शिक्षकेतर कर्मचारी :** 5 से अधिक।

प्रशासनिक सेवा रहती पास

लगभग्ग तीस साल से यहां पढ़ रहे हैं। यहां से पढ़ाई के बाद पीसीएस की तैयारी की। 2004 में पीसीएस में चयन हुआ। 2005 में आईपीएस में चयन हुआ। मुझे यहां की पढ़ाई से बहुत कुछ सीखने को मिला। यहां के शिक्षकों ने हमेशा मार्गदर्शन किया। यहां से पढ़ाई के बाद प्रशासनिक सेवा में आने के बाद भी यहां के शिक्षकों से मार्गदर्शन लेता रहा। यहां से पढ़ाई के बाद प्रशासनिक सेवा में आने के बाद भी यहां के शिक्षकों से मार्गदर्शन लेता रहा।

दीपक सहल, आईजी, लखनऊ जोन

पीसीएस बनने का सपना

1999 में यहां से बीए किया। 2000 में पीसीएस में चयन हुआ। 2001 में आईपीएस में चयन हुआ। यहां से पढ़ाई के बाद प्रशासनिक सेवा में आने के बाद भी यहां के शिक्षकों से मार्गदर्शन लेता रहा। यहां से पढ़ाई के बाद प्रशासनिक सेवा में आने के बाद भी यहां के शिक्षकों से मार्गदर्शन लेता रहा।

विनीत सहल, आईजी, लखनऊ जोन

पीएचडी करके बनना है प्रोफेसर

मैंने 2016 में यहां से एमए किया। 2017 में यहां से एमफिल किया। 2018 में यहां से पीएचडी में प्रवेश लिया। 2021 में पीएचडी की उपाधि मिली। अब मैं यहां से पढ़ाई के बाद प्रोफेसर बनना चाहती हूं। मैं यहां से पढ़ाई के बाद प्रोफेसर बनना चाहती हूं।

अंजलि सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, लखनऊ विश्वविद्यालय

अड़ोस-पड़ोस में भी बढ़ा मान

मैंने 2016 में यहां से एमए किया। 2017 में यहां से एमफिल किया। 2018 में यहां से पीएचडी में प्रवेश लिया। 2021 में पीएचडी की उपाधि मिली। अब मैं यहां से पढ़ाई के बाद प्रोफेसर बनना चाहती हूं। मैं यहां से पढ़ाई के बाद प्रोफेसर बनना चाहती हूं।

डॉ. अनुराधा, असिस्टेंट प्रोफेसर, लखनऊ विश्वविद्यालय

आईएएस बनना चाहता था, बन गया प्रोफेसर

मैंने 2016 में यहां से एमए किया। 2017 में यहां से एमफिल किया। 2018 में यहां से पीएचडी में प्रवेश लिया। 2021 में पीएचडी की उपाधि मिली। अब मैं यहां से पढ़ाई के बाद प्रोफेसर बनना चाहता हूं। मैं यहां से पढ़ाई के बाद प्रोफेसर बनना चाहता हूं।

**डॉ. अनुराग

AMAR UJALA MY CITY PAGE 6

NBT PAGE 6

जल संरक्षण, डिजिटल लेनदेन को आगे आएं युवा

लखनऊ विश्वविद्यालय के 64वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल का मेधावियों से आह्वान, कहा- सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग रोकें, वोकल फॉर लोकल को दें बढ़ावा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के 64वें दीक्षांत समारोह में युवाओं का सामर्थ्यवान सरोकारों से जुड़ने का आह्वान किया। मेधावियों को मेडल व उपाधि देने के बाद उन्होंने कहा कि आज का यह शुभ दिन नवल ज्ञान करने वालों के लिए जीवन का प्रथम है। मैं विद्यार्थियों से आह्वान करती कि देश में चल रहे जल संरक्षण के अभियान में सभी बच्चे भी आगे बढ़कर सहयोग करें। देश डिजिटल लेनदेन पर बल दे रहा है तो हमारे भी कर्तव्य हैं कि हम इसे सशक्त बना सकें।

राज्यपाल ने कहा कि देश में वोकल फॉर लोकल के तहत स्थानीय उत्पादों को खरीदें, पर्यावरण संरक्षण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग रोकें। युवा पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे बढ़कर काम करें। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण है, लेकिन मूल कर्तव्यों के प्रति जागरूकता के साथ समंजस्यशील भी बनना होगा। आप निर्वाह अनुशासन के साथ जीवन में आगे बढ़ें। आप सभी प्रशासन ज्ञान का प्रयोग लोकहितार्थ विकास के लिए करें। यही सुशिक्षा के किसी भी कोने में रहें, नवीन कृषियों का चलन अवश्य करेंगे। समारोह में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, परीक्षा नियंत्रक प्रो. एपन सिंहचौहान मौजूद थे। संचालन प्रो. विनय पाठक ने किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल पाए मेधावियों के साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, कुलपति आलोक कुमार राय। • संवाद

कई योजनाओं का किया लोकार्पण

• आंतरिक सुरक्षित पाल जलसंचयीय संवाददाता • विश्वविद्यालय का संचालन ऐप व कर्मचारी आवास • महिला व पुरुष छात्रावास, सुरक्षाकवच विभाग में लिफ्ट • राष्ट्रीय सेवा योजना भवन का शिलान्यास • अनुसंधान में स्वदेशि प्रयोग एवं विभाग • छात्रावासों में बहार कूलर, सोलरी सौर्य संयंत्र

पंख फैलाकर उड़ान भरें

राज्यपाल ने युवाओं से कहा कि पंख फैलाकर उड़ान भरें, लेकिन अपनी जमीन को न भूलें। उन्होंने दो माह कि ये विशेष उपलब्धियों पर प्रकाश डाला कहा कि विद्यार्थी ही हम देश के विकास पुंज कर सकते हैं। कार्यक्रम में राज्यपाल ने आचार्य रहीं विद्यार्थी को पुरस्कार का वर्ष वितरण किया। देश के प्रतिभा को सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा पांच दिन एक वर्ष बच्चों को किसी भी तरह से उपहार दिए।

रंग ला रहे महिला सशक्तीकरण के प्रयास

राज्यपाल ने कहा आज यहां बहुत सी छात्राओं को मेडल मिला रहा है। इससे ये बच्चे देखें सीमी सी बहुत सोचने कर रहा तथा पढ़ाई में अच्छा करेंगे। हमारे यहां हम समय भी देखा है जब महिलाएं अपने सीमित अधिकार, जीवन निर्धारण, शिक्षा के लिए संघर्ष करती थीं। हाल में पेंशनर्स दिवस मनाया है तब पहले संघर्ष पुलिसकर्मी का वर्ष दिवस दिखाया गुलाब को महिला सशक्तीकरण के प्रयास रोजगार के अवसर उपलब्ध कर रहे हैं। यह सराहा द्वारा कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लक्ष्य उपाय और परिवार नियोजन के प्रति यही गुलाबकार का परिणाम है।

दीक्षांत में एक घंटे देरी से पहुंचीं राज्यपाल

लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत का समय पूर्व में दी गई जानकारी जाने के बावजूद समारोह की अध्यक्ष राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ही एक घंटे देरी से पहुंच सकीं। करते समय के अनुसार राज्यपाल का शुभारंभ 11.20 बजे पहुंचना था, लेकिन वह 12.20 बजे ही विश्वविद्यालय पहुंचीं।

इससे सभी को लंबा इंतजार करना पड़ा। समारोह विद्यार्थियों को दो घंटेबाद के पहले सुबह 10 बजे ही समारोह में उपस्थित हो गए थे। हालांकि सही समारोह के विलंबित आंशिक उपस्थितियों दी, जिनमें सभी भी पुलिस कार्यक्रम में अनुपस्थित रहे। उन्हें उपस्थापक एक कार्यक्रम में जाना था, जिसको समय से न उपस्थापक का समापन करने के लिए विश्वविद्यालय पहुंचे, लेकिन उनके देरी से आने की खबर सुनकर लौट गए।

एनआईआरएफ में जगह बनाई, नेक के लिए प्रयास

लखनऊ। समारोह में मौजूद रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि विश्वविद्यालय को नैक की पुनर्मान्यता में ग्रेड 'ए' प्राप्त हुआ है। इसके लिए 500 से अधिक कर्मचारी तथा प्रवक्ता बधाई के पात्र हैं। विश्वविद्यालय को एनआईआरएफ रैंकिंग में 101-150 के अंतिम कटेगरी में स्थान बनाया है और नैक में 'ए' ग्रेड मिला है। इसके लिए पूरी टीम 24x11 विद्यार्थियों को दी डिग्री अर्पित की गई। विश्वविद्यालय को पांच छोटों में मेडिकल कॉलेजों का शुभारंभ 2017- 18 में की गई थी। पांच वर्ष 2020-21 में पांच आए हुए। इस वैच में 2190 में से 269 विद्यार्थियों को डिग्री दी गई। आगे चलकर इनके मेडल से मुख्य किए जाएंगे।

बीटेक के पहले बैच के 269 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

लखनऊ विवि में पहले बच बीटेक के पहले बैच के विद्यार्थियों को भी डिग्री अर्पित की गई। विश्वविद्यालय की पांच छोटों में मेडिकल कॉलेजों का शुभारंभ 2017- 18 में की गई थी। पांच वर्ष 2020-21 में पांच आए हुए। इस बैच में 2190 में से 269 विद्यार्थियों को डिग्री दी गई। आगे चलकर इनके मेडल से मुख्य किए जाएंगे।

प्लास्टिक हुआ लाइव शो

दीक्षांत समारोह के लाइव प्रसारण को ले ट्रेन्ड पर लगातार लखनऊवासी कमेंट्स की बरसात में पसंदीदा रहे। लखनऊ विश्वविद्यालय, दीक्षांत समारोह, लखनऊ विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह, लखनऊ विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह 2021 में ट्रेन्ड करने लगे। इसमें अधिकांश लोग ने लाइव प्रसारण देखा। इसमें अधिकांश लोग ने लाइव प्रसारण देखा। इसमें अधिकांश लोग ने लाइव प्रसारण देखा।

कई विवि संग समझौते से मिलेंगे नए अवसर

समारोह में विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 27 नवंबर 2021 में विवि की उपलब्धियां पेश कीं। उन्होंने कहा कि पिछले 2020 के सत्र पीजी के दो विद्यार्थियों को पहले वर्ष डिग्री दी जाएगी। विवि के चार स्कूल में पीजी पाठ्यक्रम संचालित हैं। इनमें 1400 छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विवि में 10 नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इनमें बीए, बीएससी, बीकॉम के अतिरिक्त एमए, एमएससी, एमकॉम के पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसके लिए यूजीसी से मंजूरी मिल चुकी है। इसके अलावा विवि ने कई संस्थानों के साथ एमओयू साइन किए हैं। इनमें आईआईटी कानपुर, आईआईटी रुड़की, आईआईटी बीएचयू, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी मंडी, आईआईटी धनबाद, आईआईटी इंदौर, आईआईटी रोपड़, आईआईटी भुवनेश्वर, आईआईटी पटना, आईआईटी तिरुपति, आईआईटी जोधपुर, आईआईटी पलक्कड़, आईआईटी गोवा, आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी जम्मू, आईआईटी धारवाड़, आईआईटी भिलाई, आईआईटी तिरुपति